

रोन ग्लेशियर

स्रोत: द हिंदू

जलवायु परिवर्तन के कारण स्वटिज़रलैंड के कुछ ग्लेशियर **स्विस चीज़ (Swiss cheese)** की तरह दखिने लगे हैं, यानी छदिरों से भरे हुए जो उनकी स्थिरता को खतरे में डालते हैं। **मई 2025 में, बर्च ग्लेशियर** से हुए हमिस्खलन ने **ब्लैटन** के घाटी गाँव के कुछ हसिसों को जलमग्न कर दिया।

रोन ग्लेशियर

- **स्थान:** यह दक्षिणी स्विस आल्प्स में, **फुरका दर्रे** और इटली की सीमा के पास स्थित है तथा यही **रोन नदी का उद्गम स्थल** है, जो आगे चलकर भूमध्य सागर में गिरती है।
 - **रोन नदी** स्वटिज़रलैंड और फ्राँस से होकर बहती है।
- **वर्षिताएँ:** यह स्वटिज़रलैंड का सबसे सुलभ और सबसे अधिक अध्ययन किया गया ग्लेशियर है। वर्तमान में यह देश का **पाँचवाँ सबसे बड़ा ग्लेशियर** है।
 - इसकी सतह पर **हमि कंदराएँ (हमि की सतह पर गहरी दरारें)** और **हमि दरारें** पाई जाती हैं।
- **ग्लेशियर का नवितन:** **19वीं सदी** से यह ग्लेशियर क्षेत्र की दृष्टि से कम हो रहा है और **21वीं सदी के अंत तक** इसके पूरी तरह गायब हो जाने की आशंका है।
 - **आल्प्स और स्वटिज़रलैंड**, जहाँ किसी भी अन्य यूरोपीय देश की तुलना में सबसे अधिक ग्लेशियर हैं, लगभग **170 वर्षों से ग्लेशियरों के पघिलने का अनुभव कर रहे हैं।**
- **आल्प्स:** आल्प्स पर्वत शृंखला यूरोप की सबसे ऊँची और वसितृत **वलति पर्वत शृंखला** है, जो आठ देशों में फैली हुई है: **फ्राँस, स्वटिज़रलैंड, इटली, लिक्टेंस्टीन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, स्लोवेनिया और मोनाको**। इसका सबसे ऊँचा शखिर **मोंट ब्लांक** है, जो **फ्राँस-इटली की सीमा** पर स्थित है।

और पढ़ें: [आल्प्स के बदलते भू-दृश्य](#)